भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2836 का उत्तर

केरल के लिए एबीएसएस के अंतर्गत विकास कार्य

2836. श्री के. सी. वेणुगोपाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में, विशेषकर केरल में अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत ऐसे रेलवे स्टेशनों की कुल संख्या का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और स्टेशन-वार ब्यौरा क्या है जहां आधुनिकीकरण संबंधी कार्य किए जा रहे हैं;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत देश में, विशेषकर केरल में विलंबित और अधूरे कार्यों की राज्य-वार संघ/राज्य क्षेत्र-वार और स्टेशन-वार संख्या कितनी है;

(ग) क्या समय पर परियोजनाओं को पूरा करने में विफल रहने के लिए अधिकारियों/ठेकेदारों की कोई जिम्मेदारी तय की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा उक्त कार्यों में अत्यधिक विलंब को हल करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं तथा सरकार द्वारा प्रभावित स्टेशनों पर मूलभूत सुविधाओं को बहाल करने के लिए क्या तत्काल कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

अब तक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 35 स्टेशन केरल में स्थित है। केरल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरल	35	अलाप्पुझा, अंगाडिप्पुरम, कालडि के लिए अंगमालि, चालक्कुडि, चंगनास्सेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनकीझ, एर्नाकुलम, एर्नाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फेरोक, गुरुवायुर, कण्णूर, कासरगोड, कयनकुलम जं., कोल्लम जं., कोझिकोड, कुट्टिप्पुरम, मावेलिक्कारा, नेय्यातिनकरा, नीलांबुर रोड, ओट्टापालम, परप्पनांगडी, पैय्यनूर, पुनालूर, षोरणूर जं., थलस्सेरी, तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, त्रिशूर, तिरूर, तिरुवल्ला, त्रिपुनिथुरा, वडकारा, वर्कला शिवगिरी, वडक्कनचेरी

केरल में कार्य पूर्ण किए गए स्टेशन :

केरल सहित देश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। केरल में जिन स्टेशनों पर कार्य पूर्ण कर लिया गया है, उनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरल	16	कालडि के लिए अंगमालि, चालक्कुडि, चंगनास्सेरी, चिरयिनकीझ, फेरोक, गुरुवायुर, कुट्टिप्पुरम, मावेलिक्करा, नीलांबुर रोड, परप्पनांगडी, षोरणूर जंक्शन, थलस्सेरी, तिरूर, त्रिपुनिथुरा, वडकारा, वडक्कनचेरी

अन्य स्टेशनों पर विकास कार्य निष्पादन/निविदा/मास्टर योजना के विभिन्न चरणों में हैं।

अन्य स्टेशनों पर भी विकास गतिविधियां तीव्र गति से शुरू की गई हैं तथा कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- **अंगाडिप्पुरम स्टेशन: स्टेशन भवन में सुधार, नए प्रवेश प्रांगण, कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, प्लेटफार्म शेल्टर में सुधार कार्य, प्लेटफार्म संख्या 1 तथा 2 के प्लेटफार्म सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, पहुंच मार्ग, लिफ्ट, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड तथा संकेतक की संस्थापना के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **कासरगोड स्टेशनः स्टेशन भवन में सुधार, नए प्रवेश प्रांगण, बुकिंग कार्यालय तथा कॉनकोर्स में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 2 तथा 3 की प्लेटफार्म सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफार्म शेल्टर, लिफ्ट में सुधार, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड की संस्थापना तथा दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं में सुधार के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। प्लेटफार्म संख्या 1 के विस्तार, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, एस्केलेटर तथा द्वितीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **कोल्लम जंक्शन स्टेशन: सर्विस भवन, मल्टी लेवल कार पार्किंग तथा पार्सल भवन के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, एयर कॉनकोर्स, नार्थ टर्मिनल भवन, साउथ टर्मिनल भवन तथा प्लेटफार्म उन्नयन के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **कोझिक्कोड स्टेशन: मल्टी लेवल कार पार्किंग- प्रथम एवं द्वितीय, पूर्वी टर्मिनल भवन, पश्चिमी टर्मिनल भवन, स्टाफ क्वार्टर, रेल स्वास्थ्य इकाई तथा रेल कार्यालय भवन के संरचनात्मक कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **पैय्यनूर स्टेशन: प्लेटफार्म संख्या 2 तथा 3 की ऊंचाई बढ़ाने, प्लेटफार्म शेल्टर, कॉनकोर्स में सुधार, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, द्वितीय प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड तथा रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड की संस्थापना के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल तथा लिफ्ट के कार्य शुरू किए गए हैं।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/यातायात संभलाई आदि के आधार पर किया जाता है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार**
- **स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण**
- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार**

- यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे की व्यवस्था
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था
- प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन काफी समय से परिचालित हैं, इसलिए जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड कार्य संबंधी चुनौतियां सामने आ रही हैं और ये कारक कार्य की प्रगति और कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

भारतीय रेल में परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक सुस्थापित तंत्र है जिसमें उनकी समीक्षा, निरीक्षण, कार्यों की गुणवत्ता की जांच शामिल हैं। विभिन्न संहिताओं और नियमावलियों में निर्धारित मानकों और विशिष्टताओं का अनुपालन करते हुए निर्माण कार्य किए जाते हैं। निर्धारित अनुदेशों के अनुसार, क्षतिपूर्ति सहित विभिन्न एजेंसियों/पदाधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण/जांचें की जाती हैं और सुधार के लिए तुरंत कार्रवाई की जाती है। यह एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

भारतीय रेल ने ब्राउनफील्ड स्टेशन परियोजनाओं में स्थान की कमी, जनोपयोगिताओं का स्थानांतरण और परिचालनिक निरंतरता के समाधान के लिए चरणबद्ध, यात्री-केंद्रित पुनर्विकास रणनीति अपनाई है। रेल भूमि का कुशलतापूर्वक उपयोग करके कार्यात्मक क्षेत्र सुनिश्चित करते हुए स्टेशन संपदा की समग्र रूप से मास्टर योजना बनाई जाती है। सेवा व्यवधानों की रोकथाम के लिए स्थानीय एजेंसिंयों के समन्वय से विस्तृत जनोपयोगिता मापचित्रण और अग्रिम मार्ग परिवर्तन योजना बनाई गई है। कार्यों का निष्पादन सावधानीपूर्वक चरणों में किया जाता है, ताकि रेलगाड़ी परिचालन और आवश्यक यात्री सुविधाएं कार्यात्मक बनी रहें। पुनर्विकास अवधि के दौरान यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए जहां भी आवश्यक हो, अस्थायी सुविधाएं, स्पष्ट संकेत और भीड़ प्रबंधन संबंधी उपाय भी किए जाते हैं।

******